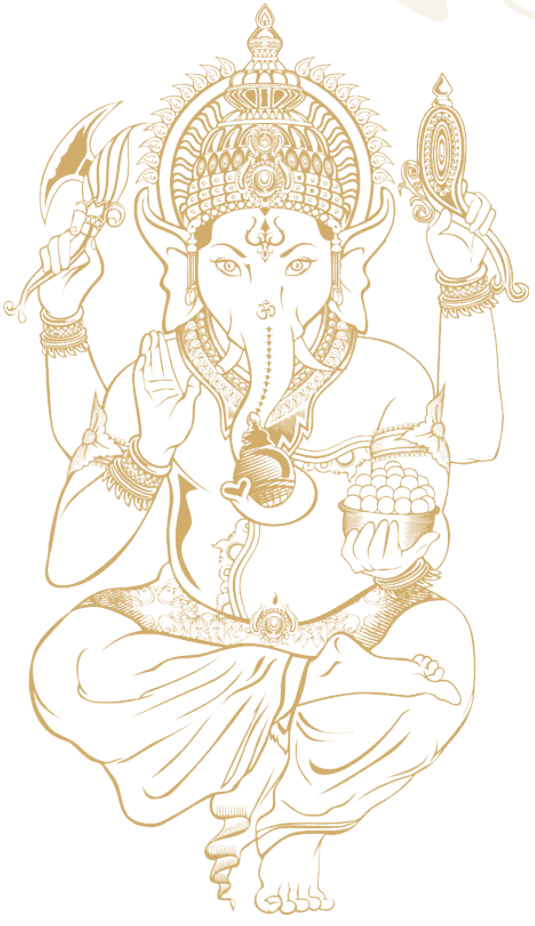

Mousumi saha

29 Nov 1983

03:15 AM

Ghatal

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120823306

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/11/1983	जन्म तिथि	**28-29/11/2026**
सोम-मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 03:15:00	जन्म समय	03:50:30 घंटे
घटी 53:06:39	जन्म समय(घटी)	54:34:26 घटी
India	देश	India
Ghatal	स्थान	Ghatal
उत्तर 22:40:00	अक्षांश	22:40:00 उत्तर
पूर्व 87:44:00	रेखांश	87:44:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:20:56	स्थानिक संस्कार	00:20:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:20	सूर्योदय	06:00:43
16:53:19	सूर्यास्त	16:53:20
23:37:39	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:08

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	पुष्य
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
प्रीति	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	तैतिल
टो-टोनी	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
गौ	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मेष
43	गत/तत्कालिक वर्ष	44

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
चित्रा	4	04:57:26	तुला		
अनुराधा	3	12:27:39	वृश्चि		
उ०फाल्गुनी	2	01:34:00	कन्या		
हस्त	1	12:29:53	कन्या		
ज्येष्ठा	4	28:20:50	वृश्चि		
ज्येष्ठा	3	24:47:46	वृश्चि		
चित्रा	2	27:30:09	कन्या		
स्वाति	4	16:59:34	तुला		
रोहिणी	4	22:20:28	वृष	व	
ज्येष्ठा	2	22:20:28	वृश्चि	व	
अनुराधा	4	15:31:52	वृश्चि		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			तुला	12:52:16	2	स्वाति
सूर्य			वृश्चि	12:27:39	3	अनुराधा
चंद्र			कर्क	12:23:51	3	पुष्य
मंगल			सिंह	06:55:04	3	मघा
बुध			तुला	24:51:07	2	विशाखा
गुरु			सिंह	02:27:59	1	मघा
शुक्र			तुला	02:39:39	3	चित्रा
शनि	व		मीन	13:49:39	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		मक	29:37:40	2	धनिष्ठा
केतु	व		कर्क	29:37:40	4	आश्लेषा
मु			वृष	04:57:26	3	कृतिका

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:08

लग्न-चलित

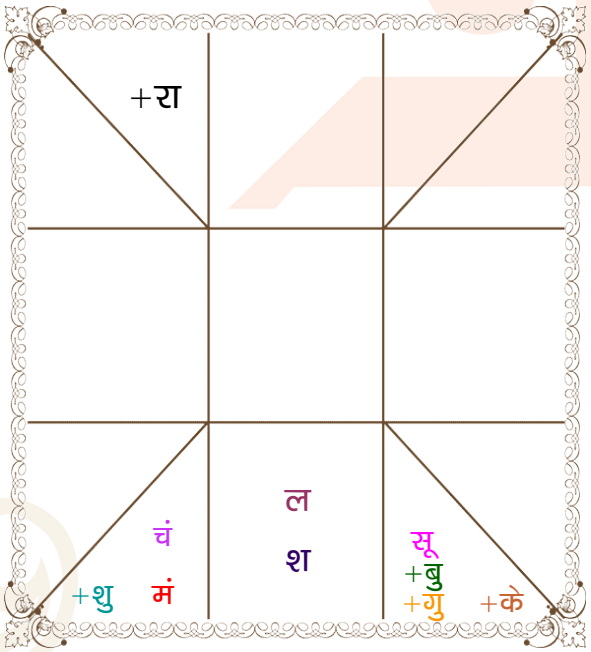

वर्ष लग्न कुंडली

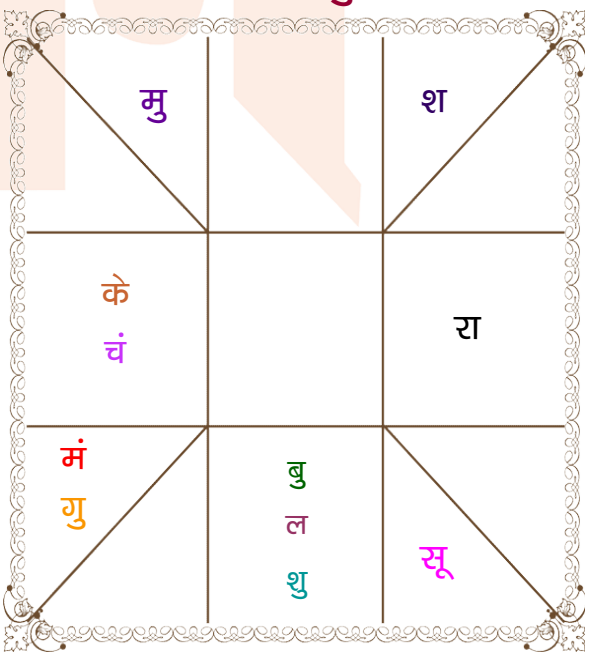

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - शुक्र		गुरु - शनि - सूर्य		गुरु - शनि - चंद्र		गुरु - शनि - मंगल	
29/09/2025 18:48		02/03/2026 24:00		18/04/2026 06:21		04/07/2026 08:57	
02/03/2026 24:00		18/04/2026 06:21		04/07/2026 08:57		27/08/2026 08:23	
शुक्र	25/10/2025 11:40	सूर्य	05/03/2026 07:31	चंद्र	24/04/2026 16:34	मंगल	07/07/2026 12:31
सूर्य	02/11/2025 04:43	चंद्र	09/03/2026 04:03	मंगल	29/04/2026 04:31	राहु	15/07/2026 14:50
चंद्र	15/11/2025 01:09	मंगल	11/03/2026 20:49	राहु	10/05/2026 18:07	गुरु	22/07/2026 19:33
मंगल	24/11/2025 01:04	राहु	18/03/2026 19:22	गुरु	21/05/2026 00:52	शनि	31/07/2026 08:40
राहु	17/12/2025 04:14	गुरु	24/03/2026 23:25	शनि	02/06/2026 05:52	बुध	08/08/2026 00:11
गुरु	06/01/2026 17:44	शनि	01/04/2026 07:13	बुध	13/06/2026 04:02	केतु	11/08/2026 03:45
शनि	31/01/2026 03:45	बुध	07/04/2026 20:31	केतु	17/06/2026 16:00	शुक्र	20/08/2026 03:39
बुध	22/02/2026 00:06	केतु	10/04/2026 13:18	शुक्र	30/06/2026 12:26	सूर्य	22/08/2026 20:25
केतु	02/03/2026 24:00	शुक्र	18/04/2026 06:21	सूर्य	04/07/2026 08:57	चंद्र	27/08/2026 08:23

गुरु - शनि - राहु		गुरु - शनि - गुरु		गुरु - बुध - बुध		गुरु - बुध - केतु	
27/08/2026 08:23		13/01/2027 03:27		16/05/2027 12:25		10/09/2027 19:17	
13/01/2027 03:27		16/05/2027 12:25		10/09/2027 19:17		29/10/2027 02:20	
राहु	17/09/2026 04:02	गुरु	29/01/2027 14:15	बुध	02/06/2027 03:11	केतु	13/09/2027 14:53
गुरु	05/10/2026 16:11	शनि	18/02/2027 03:04	केतु	08/06/2027 23:23	शुक्र	21/09/2027 16:04
शनि	27/10/2026 15:36	बुध	07/03/2027 14:32	शुक्र	28/06/2027 12:32	सूर्य	24/09/2027 02:01
बुध	16/11/2026 07:30	केतु	14/03/2027 19:16	सूर्य	04/07/2027 09:16	चंद्र	28/09/2027 02:36
केतु	24/11/2026 09:49	शुक्र	04/04/2027 08:45	चंद्र	14/07/2027 03:51	मंगल	30/09/2027 22:13
शुक्र	17/12/2026 13:00	सूर्य	10/04/2027 12:48	मंगल	21/07/2027 00:03	राहु	08/10/2027 04:05
सूर्य	24/12/2026 11:33	चंद्र	20/04/2027 19:33	राहु	07/08/2027 14:16	गुरु	14/10/2027 14:37
चंद्र	05/01/2027 01:09	मंगल	28/04/2027 00:16	गुरु	23/08/2027 05:35	शनि	22/10/2027 06:08
मंगल	13/01/2027 03:27	राहु	16/05/2027 12:25	शनि	10/09/2027 19:17	बुध	29/10/2027 02:20

गुरु - बुध - शुक्र		गुरु - बुध - सूर्य		गुरु - बुध - चंद्र		गुरु - बुध - मंगल	
29/10/2027 02:20		15/03/2028 01:56		25/04/2028 11:25		03/07/2028 11:13	
15/03/2028 01:56		25/04/2028 11:25		03/07/2028 11:13		20/08/2028 18:17	
शुक्र	21/11/2027 02:16	सूर्य	17/03/2028 03:37	चंद्र	01/05/2028 05:24	मंगल	06/07/2028 06:50
सूर्य	27/11/2027 23:51	चंद्र	20/03/2028 14:24	मंगल	05/05/2028 05:59	राहु	13/07/2028 12:41
चंद्र	09/12/2027 11:49	मंगल	23/03/2028 00:21	राहु	15/05/2028 14:21	गुरु	19/07/2028 23:14
मंगल	17/12/2027 13:00	राहु	29/03/2028 05:22	गुरु	24/05/2028 19:08	शनि	27/07/2028 14:45
राहु	07/01/2028 05:44	गुरु	03/04/2028 17:50	शनि	04/06/2028 17:18	बुध	03/08/2028 10:57
गुरु	25/01/2028 15:17	शनि	10/04/2028 07:08	बुध	14/06/2028 11:52	केतु	06/08/2028 06:33
शनि	16/02/2028 11:37	बुध	16/04/2028 03:53	केतु	18/06/2028 12:28	शुक्र	14/08/2028 07:44
बुध	07/03/2028 00:46	केतु	18/04/2028 13:50	शुक्र	30/06/2028 00:26	सूर्य	16/08/2028 17:41
केतु	15/03/2028 01:56	शुक्र	25/04/2028 11:25	सूर्य	03/07/2028 11:13	चंद्र	20/08/2028 18:17

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए।इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।